नंबर: ४११

[illegible]

ह्या बुकात खाली लिहिलेले विषय आहेत.

१ सरनमंत्रूकि भाषाटीका. ॥ पृष्ठ १॥
२. गद्यकोश्लोक भाषाटीकासहित. ॥ पृष्ठ २॥
३ नवग्रहजपप्रकार. ॥ पृष्ठ १५॥

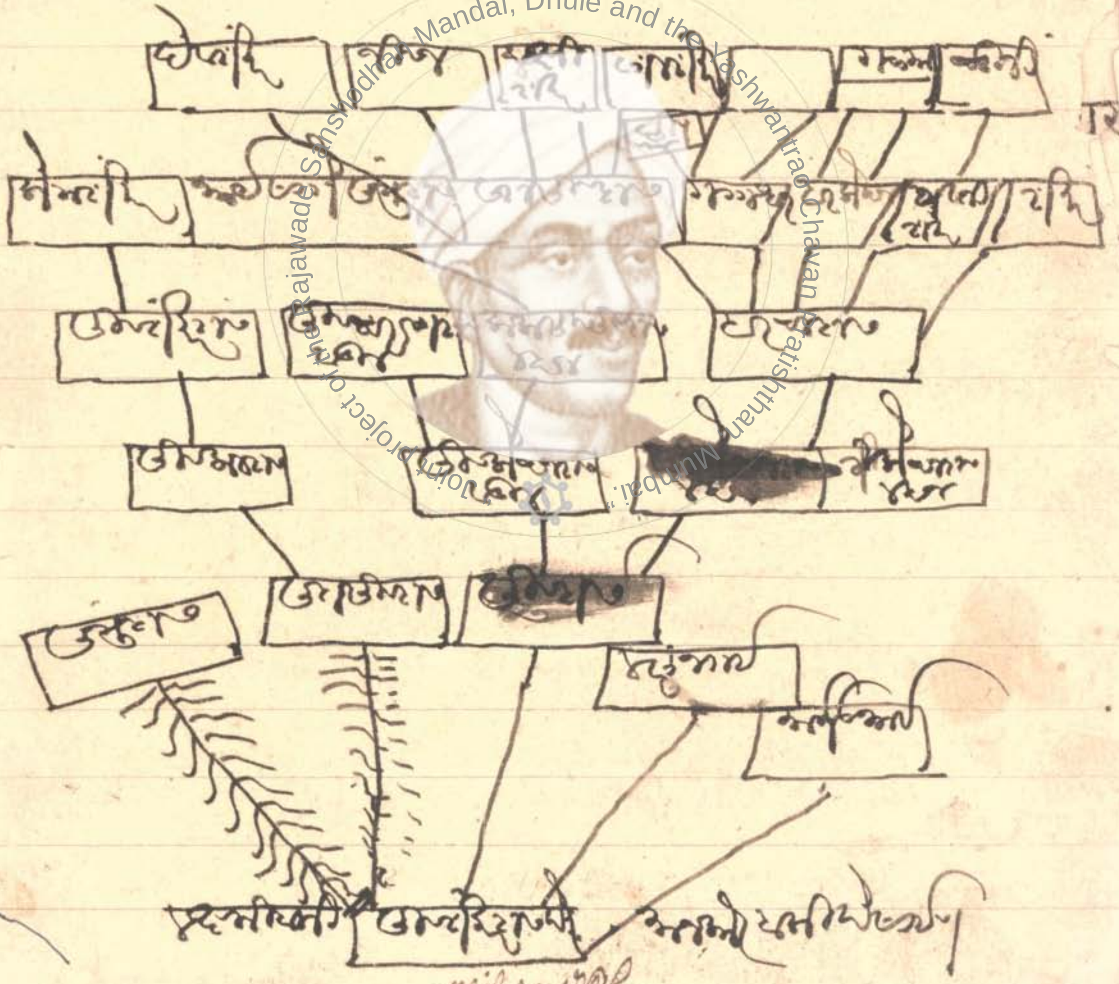

Joint project of the Rajawade Sanshodhan Mandal, Dhule and the Yashwantrao Chavan Pratishthan, Mumbai.

॥ श्री ॥

॥ श्रीशंकराय नमः ॥

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥

॥ श्रीसरस्वते नमः ॥

॥ श्रीगुरवे नमः ॥

अथ श्रीकृष्णशरणंममवाक्ये श्लोक की अर्थ टीका भाषा ॥

॥ लिख्यते ॥

" Joint project of the Rajawade Sanshodhan Mandal, Dhule and the Yashwantrao Chavan Pratishthan, Mumbai. "

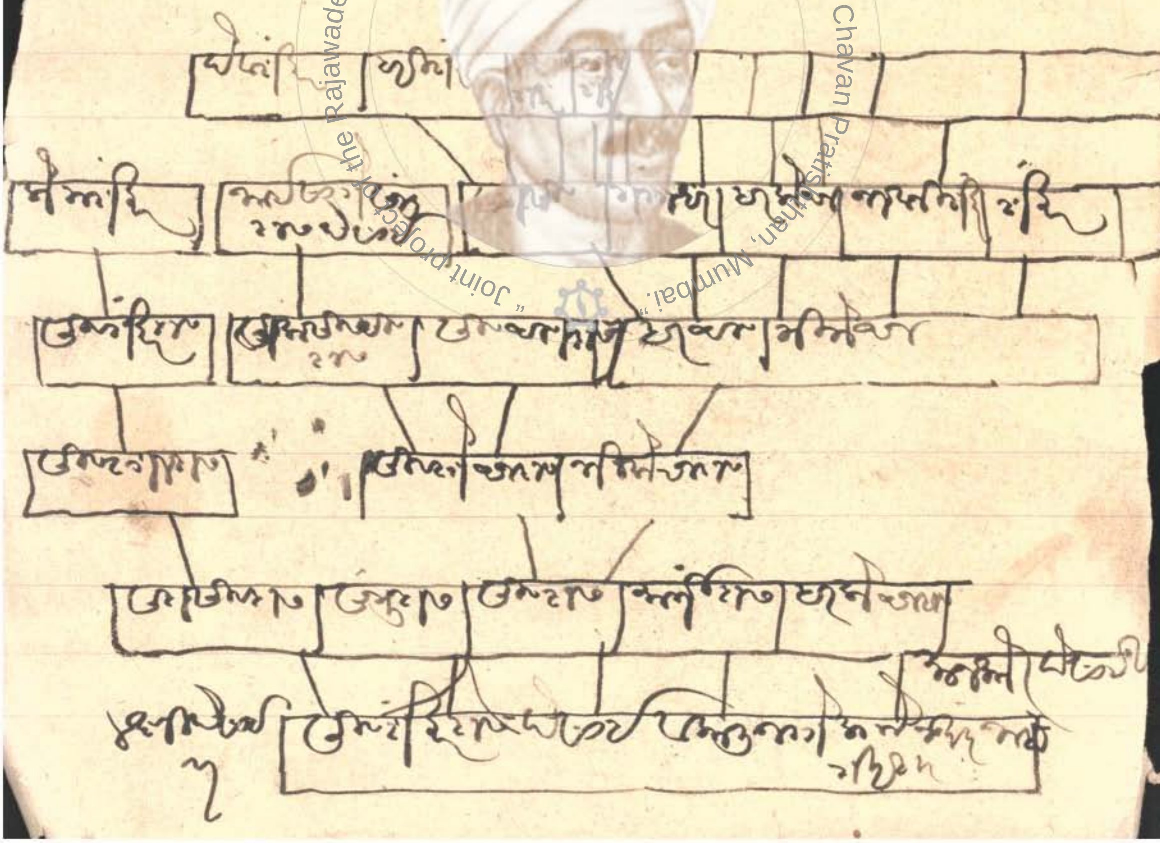

श्रीगणेशायनमः श्रीकृष्णायनमः ॥ॐ सरनभंनकीभाशा
लीष्यते ॥ श्रीकृष्णःशरणंमम ॥ याको अर्थ ॥ श्रीशब्दक
रिकेमुख्य ॥ श्रीस्वामीनीजी ॥ कृष्णशब्द ॥ पुरुषोत्तम ऐसे
युगलस्वरुपकहीये ॥ मोकूं सरनकहीये आश्रयहोय ॥ ओर
समुदायकोअर्थ ॥ जुगलस्वरुपमाकूं आश्रयहोय ॥ ओर
अंन्यकोआश्रयसर्वथा अनिष्टहे सोकोनसो वहे सोकहत
हे ॥ देहस्त्रीपुत्रकुभीभ्राता पीताभगीनीकुटुंबनहवित्ता
नूग्रामदेसराजाइनसबनकोजोआश्रयहे ॥ सोअनी
त्यहे ॥ भक्तभात्मकूहे ओरभगवद आश्रयहे ॥ सोनीत्यहे ॥
आनंदरूपहे ॥ सोयहलोकपरलोककोदेवेवारोहे ॥ तांसे

" Joint project of the Rajwade Sanshodhan Mandal, Dhule and the Yashwantrao Chavan Pratishthan, Mumbai. "

अंन्याश्रयनीवर्तपुर्वकिभगवदआश्रयहोय ।। इतिश्री

महद्राद्धयगोस्वामीश्रीगोपालात्मजश्रीगीरधरजीकृत

नामव्याख्यानसाकीटीकभाषासंपुर्णमिः ।।३।। ५५५५

।। श्री अथपाधवेकोश्लोकटीकभाषालीख्यते ।।

सोश्लोक ।। सहश्रपरिवत्सरमितकालजातकृष्णवियो

गजनितलापकुशानंद ।। तीरोभावोहं ।। यथानामाभग

वतेकृष्णायदेहभाणें द्रियांतःकरणांनितद्धर्मश्चदारा

गारपुत्राप्त वित्तभीहपूराण्यात्मनासहसमर्पयामी ।।

दासोहंकृष्णतवास्मी ।।१।। याकीटीकालीख्यते ।।

सहस्त्रतीसोयापदको अर्थलीखतहें ।। सहस्त्रकहियें ।।

Joint project of the Rajawade Sanshodhan Mandal, Dhule and the Yashwantrao Chavan Pratishthan, Mumbai.

अपरमीतकालजालकहियेसोइतनोंकालव्यतीतभयोहे ॥
सोकृष्णवियोगकहीयेकुसेपुरुषातभईछाकरिकेंन्यारेभयेहे ॥
तातेंजणिततापकेंकुरागमंदनिरभोहें ॥ भगवद्वियोगसेभग
वत्मिलनार्थतांसकलउभयोचहीयेसोनभयो ॥ सओरआ
नंदकोअभावभयो ॥ एसोभभयोअहंकहीये ॥ मेंहोएसो
जीवहुं ॥ भगवतेकृष्णायतत्स्वरूपसोंतन्मेंभगवानकृष्णायचहे
सोयेसदानंदस्वरूपकोदेहकहीये ॥ सोसरीरपंचभोसीक
इंद्रियकहीये ॥ दस ॥ १० ॥ चक्षुश्रोनाहीप्राणवायुदसअंतः
करनकहिये ॥ इनकेजोधर्महें ॥ सोदेहतेचलनों ॥ आखि
नसोंदेखनो ॥ ओरमनकीजोवृत्तिद्वाराकहीयें ॥ स्त्रीआ

" Joint project of the Rajawade Sanshodhan Mandal, Dhule and the Yashwantrao Chavan Pratishthan, Mumbai. "

१ हीं. 6

गारकहींयें ।। परपुनकहींयें ।। बेदआसकहियें ।।कुटुंबी

विनकहीयें ।।द्रव्यादिकपहकहियें ।।यहलोकपरकहियें ।।

सोपरलोक आत्माकहींयें ।। सोहरभाभाजोआत्माईनकरी

केदेहकहियें ।। सोईश्वरसमर्थभीकहीयें ।। आछेअनि

करनहोंदासोहंकहियें ।। कृष्णनघासिनकहींये ।।

जोहंश्रीकृष्णभेविहारोहुं ।। अबइसभुजाको अर्थकेहेतहें ।।

अपभीलवर्सभमानईसनोंकालवीत्योकृष्णलेवियोगभयो

परीवियोगजनीलनापकलेशनभयो ।। आनंदको अभाव

भयों ।। सोएसोभेजियहूं ।। सोषट्गुणसंपन्नजोश्रीकृष्ण

सोतिनकोसरीर इंद्रीयप्राणवायुमनचीत्तबुद्धीअंहका

"Joint project of the Rajwade Sanshodhan Mandal, Dhule and the Yashwantrao Chavan Pratishthan, Mumbai."

इनकेजोधर्म।।औरस्त्रीपुत्रकुटुंबी।।औरयीजयहलोक
परलोकजीवात्मापरमात्माकेसाथसवभेटकरतहूं।।और
मेरासहूं।।हेश्रीकृष्णमेंजीहारोहुं।।अथभावार्थलीख्यते।।
श्रुष्टीकेआदिजबभगवद्इछाभई।।सोंदैयीजीवप्रगटकरि
येकों।।सोतबअपनेश्रीअंगमेंतेंअपनेदैयीजीवप्रगटकी
यें।।सोपुरुषोत्तमसच्चिदानंदहेजोयहतोअंसहें।।सजीव
अंसलेप्रगटभयोऔरश्रीभगवानसांजुदोभयोसोभगवानके
मिलिबेकेअर्थवियोगजनीततापक्लेशभयोन्यहियें।।सोनभयो।।
औरमायाकोसंबंधभयोऔरअपनोंस्वरुपभुलीगयो।।औरआ
नंदकोअभावभयोसोभगवानतेंजुदोभयोसोताकोंअनंतपरि

" Joint project of the Rajawade Sanshodhan Mandal, Dhule and the Yashwantrao Chavan Pratishthan, Mumbai. "

वत्सरचीले ।। सोयहांसंवत्सरछोडकरीकेपरि वत्सरकहयोहे ।।
सोजोनिस्तसारभेपांचवरसकेंयुगहों। सोभमानविभवसुकू
परमेष्ठीप्रजापतीइत्यादिकनामविवरणहेंसोसंवत्सरहें ।। सोपहि
लेवरसकोसंवत्सरसंज्ञाहोयसोताकोंसुर्यदेवताकहीयतहें
औरदुसरेवरसकोपरीवत्सरसंज्ञा ।। ताकोंअग्निदेवता
औरतीसरोजोवरसताकोइडावत्सरसंज्ञा ।। सोताकोचंद्र
मादेवता ।। औरचोथोवरसजाकोअनुवत्सरसंज्ञा ताकों
प्रजापतीदेवता ।। औरपांचमोजोवरसताकीवत्सरसंज्ञा ।।
ताकोंगोरीदेवता। सोएसेहींसाठिवरसकेबारहयुगहोत
हें ।। सोपरीवत्सरकालकहोसोताकोंसुर्यदेवताहें ।। सो

" Joint project of the Rajwade Sanshodhan Mandal, Dhule and the Yashwantrao Chavan Pratishthan, Mumbai. "

ताकोमेंजन्ममरणादिअसंलग्नाभयो ।। सोपहजलापवेके
अर्थपरिचित्स्वरूपदकस्यो ।। सोएसेभगवद्अंसस्नानिदअं
स्तयुक्तषद्गुणारहितमायाधनं[illegible]तहितओरआनंदरहीत
एसोजोमेंजीवहूं ।। सोषड्गुणकोंनसें ।। ऐश्वर्य ।। वीर्य ।।
यस ।। श्री ।। ज्ञान ।। वैराग्य ।। येषड्गुणसोहीयसोवांकूंभग
वानकहीये ।। कृष्णस्वरूपजोहैसोरासकोभोक्ता ।। सोएसेजो
श्रीकृष्णभूर्भुवीभूवाचकनयोरैक्यंपरब्रह्मकृष्णइत्यभिधीयते ।।
इतीवाक्यात्तकहूंगोपीजनवल्लभप्रगटहे ।। सोश्रीगोकुलेस
जीनेधर्योहे ।। सोएसेंचंडनकेमुखसेंसुन्योहें ।। सोकालके
अर्थधरेहेंमथुरापधारे ।। सोकृष्णसेऊश्रीभगवानहें ।। परी

Joint project of the Rajwade Sanshodhan Mandal, Dhule and the Yashwantrao Chavan Pratishthan, Mumbai.

यास्वरुपमेंप्रद्युम्नअनुरुद्धसंकरसनवासुदेवयेच्यारव्युहहैं ॥
सोयाहिरहें ॥ औरगोपीजनकेंवल्लभकहिये ॥ प्यारएसेजों
नंदनंदनसोसदावृजमेंबिराजतहें ॥ औरपुरुषोत्तमया
हिरऔरव्युहभीवेराएसो जोपुरुषोत्तमसोगनिनकोंअपनि
करतहेंऔरमथुराजोप्रभोरे ॥ ऐसोसास्वरुपकीव्यारुनीकी २५
येकेअर्थश्रीगोपीजनवल्लभयपदधर्‍योहें ॥ सोएसेजोंश्री
कृष्णहें ॥ सोतीनकोंपृथवीअपुतेजवायुआकाससोपां
चमहाभुतकोसरीरभोतीकअवइंद्रीयकरेंतहें ॥ कानचष
वानेंनजिभ्याश्चक्षघ्राणसोईनकोंज्ञानेंद्रीयकहीये ॥ सो
वाणीहस्तपादऔरमंत्रलभुवत्यागकीइंद्रीएकर्मेंद्रियकहीये

Joint project of the Rajwade Sanshodhan Mandal, Dhule and the Yashwantrao Chavan Pratishthan, Mumbai.

ओरअबप्राणवायुकेहैंलहेंहैंसोप्राणवायुएकहै ।। स्थानकार्य
भेदकरिकेंदसनामकहेंलहें ।। सोप्राणहृदयमेंरहेलहें ।। सोऊर्ध्वनाको
गमनहोलहें ।। सोप्राणवायुमेंजानलहेंसोप्राणवायुसंज्ञा ओर
अधोगमनहें ।। सोवाकीअपानसंज्ञाहै ओरव्यानजोहेंसो
सबशरीरमेंरहेंलहें ।। सोवाकीव्यानसंज्ञा ।। ओरउदान
जोरहेहै सोकंठमेंरहेंलहें ।। सोवाकीउदानसंज्ञा ।। ओर
समानजोवायुहेंसोनाभीमेंरहेंलहें ।। सोखायपीवेकूपचा
वेरिकरलहें ओरनागजोवायुहेंसोसेयकरलहें ।। ओरकूर्म
जोवायुहेंसोपलकलगावलहें ।। ओरदेवदतजोवायुहेंसोभुख
लगावेहें ।। ओरकृकलजोवायुहेंसोउवासीलीवावलहें ।। ओ

Joint project of the Rajwade Sanshodhan Mandal, Dhule and the Yashwantrao Chavan Pratishthan, Mumbai.

Joint project of the Rajawade Sanshodhan Mandal, Dhule and the Yashwantrao Chavan Pratishthan, Mumbai.

ईधनंजषजोवायुहें।।सोसबसरीरमेव्यापकहें।।ओरसरी
रकोंफरकावतहें।।ओरअंतःकरनहिंयेंसोमनचित्तबुद्धिअ
हंकारसोसंकल्पविकल्पात्मक अंतकरनकीवृत्तिसोमनकही
ये।।सुक्षमअंतःकरनकीवृत्तिसोचीतकहीयें।।ओरनि
श्चयात्मकअंतःकरनकीवृत्तिकोंबुद्धिकहीये।।ओरमे
कर्ताहुं।।एसोजोज्ञानसोताकोंअहंकारकहियें।।सोयें
पुर्वोक्तजोदेहकेंइंद्रीयकेंभागजेधमहें।।सोकानतेंसुननों।।
सो।।त्वचातेंताप्नोंसीरोष्मतीक्ष्णकरनो।।ओरआखिन
तेरुपदेखनो।।सोजिभ्यातेंषटरसमीठेषाटेषारेकरुचे
कसेलेतीखेसोघ्राणजोनसीकामेंरहेतहेंसोसुगंधदुर्गंध

कोभक्ति सीद्धिकरतहें ।। याकूंबोलनों औरहस्तसोंकायिक
रनोंपायनसोंचलनोंसोइत्यादीकदेहादीकनकेंजेधर्म और
स्त्रीपुत्रकुटंवधनादिक जोचित औरयहलोकपरलोकजी
वात्माकहियेंजीवपरमात्माकहियें ।। अंतरयाभीजीवकेकृ
तकोसाक्षीइनकेंनाथभे[illegible]करतहुं ।।सोआपुकोभेंद
सहुंसोनाभमंत्रऔरपंचाक्षरमंत्रइनकोंमिलायकेंजपकरनों
कोहंतेनाभमंत्रसोंतोसात भक्तिकि सिद्धिहोतहें ।।सोकहेंतहेंजो
जबजीवनाभसुन्योंसोतवश्रवणभक्तिकि सिद्धिभईसोंतब
येजपकरनलाग्यों ।।सोतवकिर्तनभक्तिकिसिद्धिभई ।। सोजप
समेंभगवद्ध्यानकरनलाग्यों ।।सोतवस्मरनभक्तिकिसिद्धिभई ।।

Joint project of the Rajwade Sanshodhan Mandal, Dhule and the Yashwantrao Chavan Pratishthan, Mumbai.

सोलवजपञोरनामलीयोपाद्धसेवाकोअधीकारभयासोल

वपादसेवनभक्तिसिद्धिभई ॥सोलवफेरीसमकेनेमलेसेयाव

रनलाग्यो ॥सोलवअर्चनभक्तिसिद्धिभई ॥सोअर्चनवडी

येपुजाजाभेंकालकेनेमहेंसोसबचाभेंकालकेनेमनांहीहें ॥

सोसेवाजयचयहइंडवत्करतलाग्यां ॥सोलयवंदनभक्तिसि

द्धिभई ॥सोलवस्मरनयेभयोयेसानभयोसोलयभगवदअ

श्चयसिद्धिभयोंसोलवदास्यभक्तिसिद्धिभई ॥सोसाख्यओ

रआत्मनिवेदनयेवृंदसंबंधलेसिद्धिभईसख्यजोमिभसो ॥

तारनोंउभयानिष्टहसोंतारनोंभीमनाकहीये ॥सोतासोंदोऊन

केंमननमेंमिनताकरीयेकीहोयसोलवमीनतावनें ॥सोपथे

Joint project of the Rajwade Sanshodhan Mandal, Dhule and the Yashwantrao Chavan Pratishthan, Mumbai.

नाएकादसीकोंअर्द्धरैनकोंभगवदीयकेंश्रीमदाचार्यजींकोंजी
वनकोंब्रह्मसंबंधदेवेकीआज्ञादीनी।।सोतासेंभगवदआ
ज्ञातेंभगवानजीवसोंमीलापकरेंनहें।।तातेंसख्यभक्तिसि
द्धिभई।।सोभंगनाथविन्यरिजेआचार्यजीनेयहसख्यभक्तिसिद्धिभई।।
सोकछुप्रकारयेहसेजनबनश्रीभगवानकोंहें।सोतबभगवानकी
निवृत्तिभई।।ओरश्रीभगवानअंतःकरणमेंजबमेरनाकरत
हें।।सोतेसेंमेंहूंकरतहूंसोतबअहंकीनिवृत्तिभई।।तबभग
वदीयत्वकरिकेंपरीसनभाक्षस्वबपदार्थभयोंसोतबयेमुख्य
स्वरूपसेवाकोअधीकारभयो।।सोतबयेमुख्यसेवाकों
अधीकारीभयों।।सोतासोंदोउमंत्रमीलायकेजपकरनों।।

" Joint project of the Rajwade Sanshodhan Mandal, Dhule and the Yashwantrao Chavan Pratishthan, Mumbai. "

इतीश्रीमहद्दाह्लगोस्वामी श्रीगोपालात्मजश्रीगीरधरजीकृतगधार्थभिंननाक्षीटीकाभासाभेसंपुर्णमसमास ॥१॥

हस्ताक्षरदेशाईकुलोत्संनश्रीतंभुंद्दासरालालसीवसीवद्दासईननेभगवानदासमहाकुलालईनोंसकेपुस्तकपरसे

लीखलीथां [illegible]

[illegible]

मीतीचैत्रवद्य १३ संवत १९०० नारीसख्रमाहेयेमेलसन १८५८ रोजशुक्रवाररोजीसंपलेलेकहीनचीवेईलीफस

से शुभंभवतु ॥ कल्याणमस्तु ॥१॥ समाप्तं

Joint project of the Rajawade Sanshodhan Mandal, Dhule and the Yashwantrao Chavan Pratishthan, Mumbai.

श्रीकृष्णायनमः श्रीगोपीजनवल्लभायनमः ॥ अथनव-
ग्रहकोजपप्रकार हरिरायजी कृतलिख्यते ॥ अबश्रीहरि
रायजीकहतहें ॥ जोपुष्टिमार्गीय वैष्णवकों जबनवग्रह-
पुज्य होय ॥ सोताको निवारण श्रीहरीरायजी आपु वैष्ण
वनके उपर परम अनुग्रह करीकें कहेतहें ॥ जोजासों
वैष्णवनको नवग्रह [illegible] री सके ॥ सदांसर्वदा प्र
भुनकी सेवामे मन रहें औरं कोई प्रकार को दुःख वैष्ण
वकों होयनहीं, जोभगवदीय वैष्णव को नवग्रह कछु करी
सकत तो नाहीं ॥ काहेते ॥ जोभगवदीय वैष्णव हें ॥ सो
श्री प्रभूजी को अंसहें ॥ जो वैष्णव के हृदयमे श्री प्रभु-

Joint project of the Rajawade Sanshodhan Mandal, Dhule and the Yashwantrao Chavan Pratishthan, Mumbai.

जी सदा सर्वदा निरंतर बिराजतहें ॥ जो इनके हृदयमे प्र
भुको स्मरण अष्टप्रहर रहेतहें ॥ जो अन्याश्रय कबहु
करत नाहीहें ॥ श्रीप्रभुजीकी कथा वार्ता नित्यप्रति श्रव
णकरतहें ॥ ओर काहु सो कछु अपेक्षा राखत नाहीहें ॥
अन्य संबंध कबहु करत नाहीहें ॥ सर्वस्व श्रीप्रभुजी
कों निवेदन करतहें ॥ ओर सर्व जीवमात्र पे दया राखतहें
सदा श्रीप्रभूजीकी सेवामे आसक्ति रहेलहें ॥ ऐसेजो
वैष्णवहें सोतीनकों नवग्रह कहा करी सकें ॥ नवग्रह
को बल वैष्णव पे चलत नाही ॥ जो वैष्णवकी रक्षा श्रीठा
कोरजी आपु करतहें ॥ जो जेसे एक ब्राम्हण श्रीगुसांई

Joint project of the Rajawade Sanshodhan Mandal, Dhule and the Yashwantrao Chavan Pratishthan, Mumbai.

जीको सेवक श्रीगंगाजीके तटपे रहेत हतो ॥ सो ताके
निसिद्धि ग्रह आये ॥ सो या वैष्णव ब्राम्हणके पास पंडि
त ब्राम्हण रहेत हतो ॥ सो वह पंडित ब्राम्हण जोतीस सास्त्र
बहुत पढ्यो हतो ॥ सो या पंडीत ब्राम्हणने या वैष्णव ब्रा
म्हणके ग्रह देखे ॥ सो बहुत ही खोटे देखे ॥ सो तब वा
पंडित ब्राम्हणने अपने मनमें कही ॥ जो या वैष्णव ब्रा
म्हणके ग्रह तो बहुत ही खोटे आये हे ॥ जो काली सवा प्र
हर दिन चढे राजा याकों बुलावेगो ॥ सो राजा याकों सू
री देयगो ॥ ऐसे निसीद्धि ग्रह या वैष्णवके आये हें ॥
जो यह वैष्णव बहुत आछो हतो ॥ सो या भांतिसों यह

"Joint project of the Rajwade Sanshodhan Mandal, Dhule and the Yashwantrao Chavan Pratishthan, Mumbai."

पाडेंत ब्राम्हण अपने मनमे संकल्प विकल्प करन लाग्यो।
ओर या वैष्णव ब्राम्हण कों तो कछु खबरी नाही ॥ पाछे दु
सरे दिन यह वैष्णव ब्राम्हण ठाकुर के सेवामे गयो सो सब
सेवासों पहुच्यो ॥ सव प्रहर दिन चढ्यो सो ता समय सेवा
करी राजभोग समर्प्यो ॥ राजभोग समर्पिकें बाहिर आइ
सो जप करन लाग्यो ॥
बेठ्यो ॥ सो ता समय या वैष्णव ब्राम्हण कों आलस लागी ॥
सो निद्रा आय गई ॥ सो ता समय या वैष्णव ब्राम्हण कों
महाघोर स्वप्न आयो ॥ जो मानो कोई राजा के मनुष्य
आये हें ॥ सो याके माथे चोरी को कलंक धरिके ॥ याको
धरी ले गये हे ॥ सो तब तहां ले जायके या वैष्णव ब्राम्हण

Rajwade Sanshodhan Mandal, Dhule and the Yashwantrao Chavan Pratishthan Mumbai. " Joint project of the "

मूळ प्रत पाहण्यासाठी संपर्क

इतिहासाचार्य वि.का. राजवाडे संशोधन मंडळ, धुळे
राजवाडे पथ, गल्ली नं. १, धुळे-४२४००१ (महाराष्ट्र)
दूरध्वनी क्रमांक (०२५६२) २३३८४८
Email ID : rajwademandaldhule@gmail.com